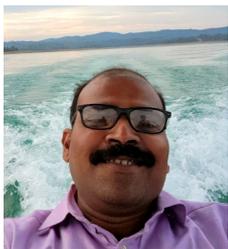


Written by कुमार सौवीर  
Friday, 25 May 2018 17:45

: 000000 00 000 00000000 00, 00 0000000000 00 000000 00 000 0000000 00 000  
00000 00 00000000 00 00 000000 00 0000 : 00000 0000 00000 00000 00 00000000 00 00000  
00 0000000000 00 000000000 00000000 00000 0000 00 00000 : 00000 00 000000000 00  
0000000 0000000 00 0000 00000 0000000 00 :

000000 000000



00000 : यह कहानी उस प्रतभाशाली युवक की है, जिसने अपनी प्रतभा को खुद ही कुल्हाड़ी से कट डाला। मकसद यह कि वह प्रतभाओं की सामूहिकनर-संहारों के खिलाफ कजबर्दस् त धर्मयुद्ध कर बैठा था। उसका यह प्रयास किसी महान भागीरथी-प्रयत्न से कम नहीं था, जिसने अपने पुरखों के तर करने के लार् अपने बरसों-बरस क कपैर पर तपस् या की थी। लेक्नि जसि तरह भागीरथ की केशशि से गंगा बह नक्ली, जसिने लाखों-करोड़ों पुरखों के तृप् त कर दया, ठीकउसी तरह इस युवकने भी जसि केशशि के सफलीभूत कराया है, उसने आने वाली सदयियों में अपनी पहचान के तरसती प्रतभाओं के तृप् त कया जा सकेगा।

इस युवकका नाम है अक्नीश पांडेय। आज जसि तरह यूपी लोकसेवा आयोग के गरिहान के सीबीआई दबोच रही है, वह अक्नीश पांडेय की केशशियों क ही असर है। सच बात तो यही है कि आयोग तक सीबीआई के रडार के पहुंचाने क भागीरथी प्रयास अक्नीश ने ही छोड़ा था। अब हालत यह है कि अक्नीश आज द्वारा अभ्यर्थयियों के दयि गये कर्षटों क चुन-चुन कर बदला ले रहे है।

सवल्लि सेवाओं में आना लाखों नौजवानों क सपना होता है पर हर किसी क सपना सच नही हो पाता। कुछ लोग तैयारी करते है, चयन हो जाता है तो ठीक वर्ना दो-चार सालों में मैदान छोड़ नक्लि लेते है। पर क्या करयिगा अगर खेल कराने वाला अंपायर ही बेईमान नक्लि जाये? कुछ यही आरोप पछिले कई सालों से उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग पर लग रहे है। क कवशिष जात केलोगों क चयन करने के आरोप तो सरेआम लगे उसके अलावा अनलि यादव नाम के हसि्ट्रीटर के आयोग क अध्यक्ष बनाया गया तत्कलीन मुख्यमंत्री अखलिेश यादव के द्वारा। कई लोगों ने इन सब बातों के नज़रअंदाज़ कर दया पर क कव्यक्ता था जसिने हार नही मानी और चुन-चुनकर बदला लया। उस वयक्ता क नाम है अक्नीश पांडे।

अक्नीश पांडे वही इंसान है जसिने सबसे पहले साल 2013 में सड़कें पर उतरकर लोकसेवा आयोग में चल रहे जातवाद के खिलाफ आवाज़ बुलंद की थी। ये वही अक्नीश है जनिहोंने हसि्ट्रीशीटर अनलि यादव के लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष पद से हटाने के लयि माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय क दरवाजा खटखटाया था। जसिके बाद तत्कलीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड ने अनलि यादव के अपने पद से बरखास्त कर दया था। अक्नीश ने अपना सारा जीवन छात्र हति के नाम कर दया।

Written by कुमर सौवीर  
Friday, 25 May 2018 17:45

---

अवनीश के नौकरी तो नहीं मिल पायी पर जो काम उसने कर दिया उसके लिये उसे पीढ़ियां याद करेंगी। शासन-प्रशासन ने कतिने ही दबाव डाले, धमकियां दीं पर पांडे टस से मस नहीं हुए। और सरकार से लोहा लेते रहे। आज भी जब कभी आप इलाहाबाद की सड़कों पर नक्ल कर किसी छात्र से बात करते हैं तो आपके अवनीश के चर्चे सुनने के मिलते हैं। फेसबुक पर भी अवनीश के मतिरों के कबड़ी संख्या है जो उनके हर कफेसबुक अपडेट की प्रतीक्षा करते रहते हैं।